

I would like to draw the attention of the Central Government to tell them that no Central Minister has so far visited the Gujarat State in spite of the casualties that took place during the flood, and the interim relief which has been sought has not yet been provided. So, may I request to Government to make a statement in this regard and render all help to the poor and suffering in the Gujarat State?

Thank you, Madam.

Need for Job Reservation Quota for Muslims

मौलाना श्रीबद्दुल्ला खां आजमी
(उत्तर प्रदेश) : मैं इस वाइस चेयरमैन से हिंदा, हमारे मूल्क में इस बक्त रिजर्वेशन की बाढ़ आई हुई है। 27 फीसदी रिजर्वेशन बैकवर्ड क्लास का, 10 फीसद में लेकर 5 फीसद रिजर्वेशन दूसरे लोगों का प्रीर उसी के साथ-साथ हम इस रिजर्वेशन की बाढ़ में यह देख रहे हैं कि 43 साल से मुसलमानों की मार्श्य हालत बह से बद्दल रही है। चली जा रही है। हमारे मूल्क के बजाए आजम ने अभी चन्द्र दिनों पहले करमाया था कि 43 सालों में हमारे सिस्टम में कोई कमी रह गई है जिसकी वजह से लोगों को उनके मौलिक अधिकार नहीं मिल सके हैं। मैं चाहता हूं कि जब इस कमी को महसूस किया जा रहा है तो इस कमी का दूर करने की भी पूरी कोशिश करनी चाहिए।

हम किसी भी रिजर्वेशन के या किसी की भी गुरुत्व को दूर करने के मुख्यतः लिफ नहीं हैं। हम हरिजनों, बैकवर्ड क्लास के लोगों और मूल्क में गरोबी में फेस लोगों के साथ परी हमदर्दी रखते हैं। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। या तो रिजर्वेशन हाना नहीं चाहिए और अगर रिजर्वेशन हो रहा है तो सबसे ज्यादा इस बक्त रिजर्वेशन के हकदार मुसलमान हैं। इसलिए कि उनकी परमांदगी गवर्नरमेंट की रिपोर्ट के मूल्यांक भी मूल्क के सामने आ चुकी हैं तारीफ। एतत्वार स भी और माली एतत्वार से भी। जब मूल्क में सबको रिजर्वेशन दिया जा रहा है तो अधिक मुसलमानों को रिजर्वेशन

ज्यों नहीं दिया जा रहा है? 12 परसेंट मुसलमानों को तस्लीम गवर्नरमेंट की सचना के मुताबिक किया गया है। मैं चाहूंगा और पुरजोर सिफारिश करूंगा कि कम से कम 10 परसेंट रिजर्वेशन मुसलमानों को 10 साल के लिए जरूर दे दिया जाए ताकि इस 10 साल में मुसलमान अपनी खोई हुई कृबत और अपनी पस्तांदगी को बहाल करने का सिमत पेशरपत कर सके।

अगर आज यह मसाइल हल नहीं होंगे तो यह मसाइल कभी भी हल नहीं होंगे। आज, संजीदगी के साथ सब मसाइलों पर गीर किया जा रहा है। जब लोगों ने इस बात पर अपनी चिता का इजहार किया है कि मुसलमान सबसे ज्यादा परमांदा, सबसे ज्यादा गरीब और सबसे ज्यादा परेशान होता है। ऐसी सुरत में मुसलमानों के मसाइल पर रिजर्वेशन न देना नाइफार्फ होगी। मैं चाहूंगा कि उनको भी 10 परसेंट रिजर्वेशन दिया जाए।

मैं यह कहना चाहूंगा कि मुसलमानों का रिजर्वेशन देश की एकत्री और अखड़ता के हक्क में होगा। मुसलमानों ने 1947 में, हिन्दुस्तानी मुसलमानों ने पाकिस्तान न जाकर इस मूल्क में अपने हिन्दू भाइयों के साथ रहने का फैसला बहुत साच-समझकार किया था ताकि अपने बिंगदगाने वतन के साथ कदम से कदम मिलाकर मूल्क की तरक्की में भी हम अपना यांगदान दें और हमारे विरादराने वतन के साथ हमारी तरक्की के रहें भी खुलती रही। आज बक्त आ गया है इस मसले पर ईमानदारी के साथ सोचकर मुसलमानों को भी 10 परसेंट रिजर्वेशन देने का।

मैं पुरजोर मार्ग करता हूं कि मुसलमानों को भी 10 परसेंट रिजर्वेशन देकर, जा बात कहीं जा रही है कि नुसलमान सबसे ज्यादा परमांदा हैं, उसका परमांदगी को भी दूर करने के लिए हमार हुक्मरान सोचें। मैं उमर्मिद नहीं बल्कि यहीन रखता हूं कि इस हाऊस में इस बात को संजीदगी से सोचा जाएगी और मुसलमानों को 10 परसेंट रिजर्वेशन दिया जाएगा। शुक्रिया।

سبھی پھنسنے لوگوں کے ساتھ پوری
 بھورڑدی اور کوئی ہیری۔ یہم کسی کے خلاف
 نہیں ہیں۔ یا تو میرے دلشیز ہیں نہیں
 چاہئے۔ اور اگر میرے دلشیز ہو رکھ بھئے تو
 سبھ سے زیادہ، اسر و قوت ریزرو دلشیز
 کے حقوق اسلام نہیں اسلئے کہ آئندی
 دیساںدگی گورنمنٹ کی برپرست کے
 مطابق بھروسہ تملک کے ساتھ آئکھ جائے
 تعینی انتیار سے بھروسہ اور معاشی
 انتیار سے بھوسی۔ جب تملک میں
 سبھ کو ریزرو دلشیز دیا ہارج ہے تو
 آخر مسلمانوں کو ریزرو دلشیز کیوں نہیں
 دیا جا رج ہے۔ ۱۲ پرستیت مسلمانوں
 کو تسلیخ گورنمنٹ کو سوچنا کے مطابق
 کیا کر رہے ہیں۔ میں جاپسون کا اور بہزادہ
 مذکور شیخ کو دریگا کام سے کم دا
 پرستیت میرے دلشیز مسلمانوں کو
 ۱۵ سال کیلئے صرف دیا جائے۔ تاکہ
 اس ۱۵ سالوں میں مسلمان اپنی
 کو (۳) تحریک فرمات اور اپنی ایساںدگی
 کو بیان کرنے کی سخت پیشی قوت
 کر سکیں۔

اگر آج ہم شامل حل ہیں ہیں ہیں
 گے تو یہ شامل کھوسی بھی حل ہیں ہیں

+ [مرا ادا بور را اللہ خان اخڑھی]
 (ائزید دلشیز) : میدھم دالسر، چیرین
 درادیس۔ ہم اے مدار سو امر و قوت
 ریزرو دلشیز، با طرح آئی ہوئے ہے۔ ۲۷
 ذیہ مہ ریزرو دلشیز سیکلر طرکلاس کا۔
 ۱۶ فتحود کے لیکر ۱۶ فتحود میرے دلشیز
 دوسرے دلور کا اور اس کے ساتھ
 ساتھ یہم اس ریزرو دلشیز کی پاڑھیں
 بیاد کیوں ہیں ہیں کہ مانع مسلمان سے
 مسلمانوں کی معاشی حالت یہ مدد
 بدشیر ہوئی اصلی خارجی ہے۔ یہ مدد
 کے دلشیر انتظامی نے ابھی چند دلار پہلے
 فرمایا تھا کہ ۳۰۰ مالوں میں ہوا ہے
 سیڈھی میں کوئی ناکوئی کمی رہ لے
 ہے جسکی وجہ سے لوگوں کو انکے موکوں
 ادھیقار ہیں اصل سکے ہیں۔ میں
 چاہیتا ہوں کہ جب اس کمی کو
 محسوس کریا ہارج ہے تو اس کو کوئی تو
 دوسرے کرنے کو بھوسی بوری کو شکش کرنی
 چاہئے۔

۱۷ یہم کسی بھروسہ دلشیز کے یا کسی
 بھوسی خربت کو دور کرنے کے نہیں اور
 ہیں ہیں۔ یہم بھرجوں۔ سیکلر طر
 کلا، رکے لوگوں اور ملکا ہیں غیر ہو

دیا جائے۔
 میر، پر فرمائیں کہ (ابر) کو
 مسلمانوں کو لوچھی ۱۵ پرمنٹ نہ فرمائی
 دیکھو اس کو (ابر) کوئی نہ کہے۔ کلم مسلمانوں
 سب سے زیادہ لپشاری ۱۵۔
 کو پسہ آؤ (کوچھ) دوڑ کرنے کے لئے
 ہمارے کمران سوچوں۔ میر، امیر
 میر، لکھ لفڑیں رکھنا سلوں کو کوئی مل
 سو (اس بات کو سمجھیں) سے سوچا
 جائے گا اور مسلمانوں کو ۱۵ پرمنٹ
 فرمزوں کیسے دیا جائے گا۔ تکرار ۲۔

DR. ABRAR AHMED KHAN (Rajasthan): Madam, I associate.

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA (Jammu and Kashmir): Madam, I want to submit that I associate myself with the...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Your association will also be included in your special mention... ۱۴۷

भाषण करेंगे तो.....it will be included in your special mention. Just say that you support.

Conversion of Marathwada Meter Guage Railway Line into Broad Gauge

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, thank you very much for giving me the opportunity to raise this very important issue of the Marathwada region, that is, creation of a corporation for the Marathwada railway line conversion from the meter gauge to broad gauge on the lines of the Konkan railway within the jurisdiction of the Railways Board for mobilisation of additional funds.

Madam, the hon. Minister of Railways, Mr. George Fernandes, has

پورا گو۔ ۱۵ سوچیدگی کے ساتھ سب
 مسائل پر عذر کیا جائے۔ سب
 لوگوں کی اس بات پر اعتماد چننا کا
 انظہار کیا ہے کہ مسلمانوں سے
 زیادہ بسوارہ سب سے زیادہ ۱۵ پر
 اور سب سے زیادہ (پریشان) ہے۔
 (پریشان) مورث، میر، مسلمانوں کے مسائل
 پر پریشانی، دنیانما (فہاد) ۱۵ پر
 میں جانلوگا کم آنونچو، ۱۵ پرمنٹ
 پر پریشان (پریشان) دیا جائے۔

میڈم سس نہ کننا ہامنوز کر
 مسلمانوں کا پریشانی دلش کی ایکتا
 اور آنکھوں کے وقت میں اس سوچ کا ۱۹۷۳ء
 میں اپنے وہ سانج مسلمانوں فی پاکستان

نہ حاکر اس ملک سے اپنے بدو
 ھایپر لے ساکھ رہنے کا درجہ دیجتے
 صونج سوچ کر کیا یخما۔ تالہ لش پر ایمانی
 عطن کے ساتھ قدم سے قدم عطا کر
 ملک کی ترقی میں بھی ہم اپنایاں
 دان دیں اور ہمارے برادران وطن
 کے ساتھ ہماری ترقی کو اپسیں جو
 کھلیج سیں آئیں وقت آیا ہے کہ
 اس مشعل پر ایمان اور کے ساتھ سوچ
 مسلمانوں کو ۱۵ پرمنٹ پر پریشان